यीडा : यूपी के औद्योगिक विकास की धुरी

उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में यीडा क्षेत्र जैसी परियोजनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीति और निर्णायक नेतृत्व का प्रतीक हैं। कभी मात्र दिल्ली और आगरा को जोड़ने वाले कॉरिडोर के रूप में देखे जाने वाला यह क्षेत्र अब उत्तर प्रदेश के औद्योगिक पुनर्जागरण की रीढ़ बन गया है। सरकार ने इस यीडा क्षेत्र को केवल परिवहन तक सीमित न रखते हुए इसे निवेश, रोजगार और नियोजित शहरीकरण के सबसे बड़े इंजन के रूप में विकसित किया है। डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास का ऐसा मॉडल अपनाया है, जिससे प्रदेश की छवि काफी हद तक बदली है। एक्सप्रेसवे के दोनों किनारे औद्योगिक क्लस्टर, आधुनिक अर्बन सेंटर्स और लॉजिस्टिक्स हब का विकास इस बात का प्रमाण है कि सरकार की नीति अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं बल्कि धरातल पर परिणाम देने वाली साबित हो रही है। यीडा क्षेत्र आज उस नये उत्तर प्रदेश की पहचान बन रहा है, जहां निवेशकों को भरोसा, युवाओं को रोजगार व प्रदेश को आर्थिक मजबूती मिल रही है।

चरणबद्ध तरीके से हो रहा यीडा क्षेत्र का विकास

यीडा (यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) क्षेत्र के माध्यम से प्रदेश सरकार ने नियोजित विकास का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है जो यूपी को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती के साथ स्थापित करेगा। 2,700 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला यह औद्योगिक विकास क्षेत्र दो चरणों में विकसित किया जा रहा है। इसमें औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक व मिश्रित भूमि उपयोग की स्पष्ट योजना है, जिससे अनियोजित शहरीकरण पर नियंत्रण संभव हुआ है। सरकार की स्पष्ट सोच है कि विकास केवल बड़े शहरों में सीमित न रहे बल्कि उसका लाभ आसपास के जिलों में भी पहुंचे। यीडा क्षेत्र में विकसित हो रहा औद्योगिक क्लस्टर इसी सोच का परिणाम है। बेहतर सड़क नेटवर्क, बिजली, जल निकासी और अन्य आधारभूत सुविधाओं के साथ यह क्षेत्र निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए आदर्श बना यीडा क्षेत्र

दिल्ली, आगरा एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से मजबूत कनेक्टिविटी ने यीडा क्षेत्र को लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स के लिए आदर्श बना दिया है। इसके साथ ही जेवर में तैयार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय पहचान देने वाला है। सरकार ने एयरपोर्ट को केंद्र में रखकर औद्योगिक शहरों, लॉजिस्टिक्स हब एवं रोजगार केंद्रों की एक पूरी श्रृंखला विकसित करने की योजना तैयार की है। यीडा क्षेत्र में विकसित हो रही परियोजनाएं उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बुलंदी पर पहुंचाने का काम कर रही है। ये प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

यीडा क्षेत्र की प्रमुख परियोजनाएं

- दिल्ली, आगरा और एनसीआर से मजबूत कनेक्टिविटी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा
- यीडा क्षेत्र को विकास कॉरिडोर के रूप में किया गया है विकसित
- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ एक्सप्रेसवे क्षेत्र को मिल रही है वैश्विक पहचान
- जेवर के पास एचसीएल फॉक्सकॉन की ओसैट यूनिट का निर्माण प्रक्रियाधीन
- एक हजार एकड़ क्षेत्र में सेमीकंडक्टर और ईएमसी पार्क की हुई स्थापना
- मेडिकल डिवाइस पार्क और डेटा सेंटर पार्क का विकास
- वीवो, एलजी और हैवेल्स जैसी प्रमुख कंपनियों द्वारा फैक्ट्रियों की स्थापना
- यीडा क्षेत्र में देश की अधिकांश मोबाइल कंपनियों के मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित
- दो सौ से अधिक नई फैक्ट्रियां निर्माणाधीन
- यीडा क्षेत्र में मल्टी मोडल ट्रांसपोर्ट हब को मंजूरी
- एयरपोर्ट एक्सप्रेस-वे और आरआरटीएस बन रही है मजबूत कनेक्टिविटी का आधार
- सेमीकंडक्टर पार्क की स्थापना से बड़े स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन
- लॉजिस्टिक्स और हाईटेक हब का भी हो रहा विकास
- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और औद्योगिक जोन से रियल एस्टेट, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में नये अवसर हुए सृजित
- ग्रेटर नोएडा में उत्तर भारत के पहले हाइपर-स्केल डेटा सेंटर योट्टा डी1 का संचालन
- भारत के सबसे बड़े डेटा सेंटर के हब के रूप में विकसित हो रहा है गौतम बुद्ध नगर
- यीडा क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क के विकास को दिया जा रहा बढ़ावा
- नोएडा में भारत का सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क संचालित

वर्ष 2047 तक मास्टर प्लान से होगा यीडा क्षेत्र का विकास

शामिल जिले - 06 (गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा, अलीगढ़ व हाथरस)

यीडा क्षेत्र - लगभग 2,700 वर्ग किलोमीटर

रोजगार - अब तक 01 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला

निवेश - अब तक 1,50,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के करीब लॉजिस्टिक हब और स्मार्ट विलेज बनाने पर काम शुरु

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

यीडा क्षेत्र में तैयार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा देश का गहना

- नोएडा के जेवर में तैयार हो रहा है नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट
- नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है
- 5,845 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह एयरपोर्ट अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा
- पहले चरण में 1,334 हेक्टेयर में रनवे, टैक्सी वे, टर्मिनल बिल्डिंग एवं पार्किंग क्षेत्र का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है
- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 6 रनवे और 4 टर्मिनल वाला वाला भारत का पहला एयरपोर्ट होगा
- एयरपोर्ट पर एक साथ 178 विमानों के खड़े करने की होगी व्यवस्था, व्यावसायिक उड़ानों के संचालन में एयरपोर्ट होगा बेहद सक्षम
- लगभग 29,650 करोड़ रुपये की लागत से जेवर एयरपोर्ट का हो रहा है निर्माण
- हवाई अड्डे को एयरपोर्ट सिटी मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। इसमें एयरोसिटी, लॉजिस्टिक्स हब, बिजनेस जोन और हॉस्पिटेलिटी जोन शामिल होंगे।
- प्रदेश में अब तक 16 घरेलू हवाई अड्डे संचालित, जबकि 8 हैं निर्माणाधीन
- यहां अत्याधुनिक स्मार्ट टेक्नोलॉजी और डिजिटल प्रोसेसिंग सिस्टम लगाया जायेगा। यात्री बिना कागज के डिजिटल एंट्री से हवाई सफर कर सकेंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गंगा एक्सप्रेसवे तक प्रवेश-नियंत्रित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण प्रस्तावित है जिसके लिए वर्तमान अनुपूरक बजट में 1,246 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार को बल मिलेगा।

- एयरपोर्ट को ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका मतलब है कि यह पूरी तरह से नई जमीन पर तैयार हुआ आधुनिक ढांचा होगा।
- एयरपोर्ट में कार्बन-न्यूट्रल और सस्टेनेबल मॉडल अपनाया जा रहा है। यहां ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा सोलर पावर से पूरा किया जाएगा।
- एयरपोर्ट में 70 मिलियन से ज्यादा यात्रियों की वार्षिक क्षमता प्लान की गई है। भविष्य में यह संख्या दोगुनी तक बढ़ाई जा सकती है।
- एयरपोर्ट को दिल्ली-एनसीआर से मल्टी-मोड कनेक्टिविटी दी जा रही है। मेट्रो, एक्सप्रेसवे, रैपिड रेल और बुलेट ट्रेन जैसी सुविधाओं का कनेक्शन होगा।
- एयरपोर्ट के आसपास इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। इससे बड़े पैमाने पर कारोबार और फैक्ट्रियां स्थापित होंगी।
- जेवर को कार्गो स्पेशलाइज्ड एयरपोर्ट भी बनाया जा रहा है। यह उत्तर भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट-हब बनने की क्षमता रखता है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाएं

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वर्ल्ड-क्लास लाउंज और प्रीमियम टर्मिनल सुविधाएं होंगी। यात्रियों को इंटरनेशनल लेवल की लक्जरियस सर्विस मिलेगी।
- यात्रियों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक सिक्योरिटी सिस्टम लगाया जाएगा। इसमें एआई आधारित स्कैनिंग टेक्नोलॉजी भी होगी।
- एयरपोर्ट में दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं होंगी। इसमें व्हीलचेयर जोन, लिफ्ट और गाइडिंग पाथ शामिल हैं।
- फूड कोर्ट में अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों तरह के व्यंजन मिलेंगे। यात्रियों के लिए विभिन्न श्रेणी के भोजन के विकल्प होंगे।
- मल्टी-लेवल टर्मिनल डिजाइन से भीड़ और लाइनों में भारी कमी आयेगी। यात्रा अनुभव अधिक आरामदायक होगा।
- एयरपोर्ट पर स्मार्ट पार्किंग सिस्टम विकसित किया जायेगा। वाहन पार्किंग के लिए रियल-टाइम स्लॉट उपलब्ध मिलेगा।

- डायरेक्ट मेट्रो कनेक्टिविटी से नोएडा और दिल्ली तक यात्रा आसान होगी। इससे ट्रैवल टाइम में भारी कमी आयेगी।
- इंटरनेशनल फ्लाइट कनेक्टिविटी बढ़ने से यात्रियों के लिए ग्लोबल यात्रा आसान होगी।
- हवाई अड्डा परिसर में हाई-स्पीड वाई-फाई और डिजिटल नेविगेशन सिस्टम उपलब्ध रहेगा। इससे यात्रियों का सफर और भी सुगम होगा।
- बड़े आकार का अत्याधुनिक ड्यूटी-फ्री स्टोर यात्रियों को इंटरनेशनल शॉपिंग का अनुभव देगा, जहां ग्लोबल ब्रांड्स की उपलब्धता भी रहेगी।